



# VISION IAS

www.visionias.in

4:15

7:15

VISION IAS

M N 17 AUG 2023 No. 3

RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2078)

Name of Candidate	Karmu eer Narwadi		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	704550
Center	MKN	Date	17 Aug 2023

INDEX TABLE			INSTRUCTIONS	
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained	<div>1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code). उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।</div> <div>2. There are <b>TWELVE</b> questions printed in <b>ENGLISH &amp; HINDI</b>. इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।</div> <div>3. <b>All questions are compulsory.</b> सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।</div> <div>4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।</div> <div>5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।</div> <div>6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।</div> <div>7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off. उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।</div>	
1(a)	10			
1(b)	10			
2(a)	10			
2(b)	10			
3(a)	10			
3(b)	10			
4(a)	10			
4(b)	10			
5(a)	10			
5(b)	10			
6(a)	10			
6(b)	10			
6(c)	10			
7	20			
8	20			
9	20			
10	20			
11	20			
12	20			
Total Marks Obtained:			<div>Is student recommended for One-to-One mentoring?</div> <div><div>Recommended</div><div>Strongly Recommended</div></div>	
Remarks:				

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009



## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) धैर्यवान नेताओं को प्रत्येक व्यक्ति जानता है और ये ऐसे लोग होते हैं जिनकी तरफ संकट के समय अन्य लोग मुड़कर देखते हैं। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Leaders with fortitude are known by everyone and they are the people to turn to when crisis arises. Discuss. (Answer in 150 words) 10

धैर्यवान नेता संकट के समय परिस्थितियों से डटकर मुकाबला करता है, साथ ही नेतृत्वशीलता के अन्दर लोगों को अभिप्रेरित करता है।

उदाहरण - महात्मा गाँधी का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान जनता को अभिप्रेरित तथा शक्तिबल के साथ अंग्रेजी सत्ता से टकड़ाना धैर्यवान गुण को दिखाता है।

धैर्यवान नेता : संकट प्रबंधन के समय प्रबंधन

(1) वे आगे बढ़कर नेतृत्व तथा समावेष्टिता को शामिल करते हैं।



उदाहरण - भन्ना दजारे का लोकपाल  
भांदोलन ।

(11) नेता द्वारा कार्य संस्कृति का प्रबंधन  
सुभासपेन अच्छी तरीके से दिखा जाता है।

उदाहरण - ऑमेरो कंपनी में लिंग विविधता

(111) नेतृत्वशीलता में लोगों को तथा  
खुद को अभिप्रेरित करना ।

(112) सभी संकट के दौरान सभी पक्षों से  
बताचित करना ।

६६ - सिविल सेवक का सौप्रदायिक दंगों  
के दौरान नेतृत्व ।

अतः धैर्यवान सिविल सेवक न केवल  
व्यक्तिगत जीवन में सफल होता है बल्कि  
सर्विस एररफ में भी जनसुखाण, समावेशिता  
पूर्ण शासन में सफल होता है।



1. (b) देश में बदलते सामाजिक परिदृश्य के मद्देनजर, मूल्यों की शिक्षा युवाओं के लिए न केवल कुशल बलिक नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर बनने हेतु तकनीकी शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

In the wake of changing social landscape in the country, value education is as important as technical education for the youth to become not only skilled but also morally strong professionals. Discuss. (Answer in 150 words) 10

इंग्रिस बुद्धिमत्ता तथा इन्डस्ट्री १-००

के युग में, प्रतिस्पर्धा का दौर युवाओं में तकनीकी शिक्षा को महत्वपूर्ण बनाता है लेकिन इस के साथ-साथ नैतिक स्प से भी मजबूत बनाया जाने की आवश्यकता है-

(1) भावनात्मक बुद्धिमत्ता

इससे युवा न केवल खुद की इसरो की भावनाओं का समझने में मदद मिलती है, जीवन के हर अवसर में लाभदायक रहेगी।

(2) कठिनाई तथा दया

ये ~~शब्द~~ मूल्य युवा वर्ग को समाज, पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाते हैं।

एक - N.S.S के युवा ।

(III) धैर्यवान मूल्य

गलाकाट प्रतिस्पर्धा भारत में भातप्रदत्ता का बड़ा कारण है, जिससे उस मूल्य के लिए धैर्यवान युवा का होना आवश्यक है।

ए० → राष्ट्रीय भातप्रदत्ता रोकपात्र नीति में यह सुझाव दिया है।

(IV) अभिवृत्ति में सुधार।

ए० → लैंगिक विविधता, LGBTQ इत्यादि के प्रति।

(V) सामयिकता →

ए० - ना केवल शिक्षा के प्रति बल्कि माता-पिता तथा राष्ट्रप्रेमिता

(VI) परोपकारिता तथा जवाबदेहिता का गुण -  
मूल्यों के समावेदान से न केवल चारित्रिक उन्नति की जा सकती है, बल्कि समस्त देश के कुल्या को बढ़ावा मिलेगा।



2. (a) हालांकि, निष्पक्षता को लोक सेवा के लिए प्रमुख नैतिक मूल्यों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया है, फिर भी इसे लोक सेवाओं में करुणा के प्रति बाधक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While impartiality has been identified as one of the key ethical values for public service, it should not be seen as precluding compassion in public services. Discuss. (Answer in 150 words) 10

निष्पक्षता का अर्थ है बिना किसी  
पक्षपात के आधार पर व्यवहार करना  
अर्थात् सभी निर्णयों को किसी  
वस्तुनिष्ठ कारणों के आधार पर लिया  
जाना चाहिए।

Ex - SECC में डाटा का प्रयोग  
करके आयुष्मान भारत योजना के  
लाभार्थियों का चयन।

निष्पक्षता :

प्रमुख मूल्य

→ ① लोक सेवा में जन-निश्वास  
में बढ़ि होती है।

→ ② जवाबदेहिता तथा पारदर्शिता  
में बढ़ि होती है।

③ सार्वजनिक धन के सदुपयोग में  
बढ़ि होती है।

लोक सेवा में निष्पक्षता वस्तुनिष्ठता लेना

आती हैं, वही स्थिति वह भाव है जिसमें  
ना केवल दूसरों के प्रति सहानुभूति  
प्रकट आती है बल्कि समस्याओं का  
समाधान के लिए प्रयास भी किया जाता  
है।

समानुभूति + समाधान की भावना = स्थिति

निष्पक्षता तथा स्थिति में संकथ

बाधक

दोनों की आवश्यकता

→ वस्तुनिष्ठ निर्णय → निर्णय नीति निर्माण में  
कई बार निर्णयों में दोनों का समन्वय  
दया भाव पर रोक आवश्यक है  
लगाते हैं।

→ जनकल्याण की भावना में  
शुद्धि होती है।

→ संविधान, नियमों, रीतियों  
के प्रति ~~अपेक्षा~~ समर्पण।  
कार्यता प्रकट होती है।

अतः निष्पक्षता तथा स्थिति नालेन  
समीति तथा 24th ARC द्वारा अनुबंधित प्रमाणों के साथ



2. (b) प्रशासकों द्वारा धारित शक्ति, यदि सही तरीके से प्रयोग की जाए तो देश को महान लाभ प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो क्षति और अपमान का कारण बन सकती है। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

The power, which administrators wield, can bring the nation great dividends if rightly used, but can bring harm and disrepute if abused. Elaborate. (Answer in 150 words)

10

शक्ति अध्यात्मा को जन्म देती है।

भ्रष्टाचार

शक्ति के साथ जिम्मेदारियों भी आती हैं भ्रष्ट जिम्मेदारियों का सही तरीके से प्रयोग किया जाए तो <sup>महान</sup> लाभ प्राप्त होता है -

→ बुजुर्गों तथा बच्चों के कल्याण में शक्ति

वैदिकों के समावेधान में शक्ति।

Ex - IAS P. नरहरि का दिव्यांग के साथ बँटना।)

→ प्रशासनिक सुविधाओं पर जोर देना -

Ex - IAS सुकुल उच्चावह द्वारा पुलिस हैल्पलाइन के काल पर निगरानी।

→ बुनियादी अवसंरचना का विकास  
अवसंरचना के विकास से लोगों के



आर्थिक कल्याण में वृद्धि।

६- IAS दुकान सिंह नीला की स्वामित्व योजना।

⑤ सार्वजनिक धन का उपयोग

६- रेलवे खेल का, का धोखा देने की जांच।

⑥ इसी के साथ अगर शक्तियों का उपयोग किया जाए तो वह बुरे प्रभावों का कारण बनता है -

① भ्रष्टाचार का कारण -

६- IAS पूजा सिंहल (साखण्ड मंडल)

का रिश्ता तथा भ्रष्टाचार धन प्राप्त।

② खराब कार्य प्रवृत्ति का निवारण करना।

③ सार्वजनिक धन का गबन करना -

- B B P का २४% धन विनाश में।

④ अभिजात्यता में वृद्धि।

अतः शक्ति के साथ जिम्मेदारी, पारदर्शिता, जवाबदेहिता भी लानी चाहिए जिससे सिविल सेवा द्वारा कल्याण में वृद्धि की जा सके।



3. (a) विशेष रूप से हाल के दिनों में अंतरिक्ष अन्वेषण में निजी क्षेत्र के प्रवेश को देखते हुए, वाणिज्यिक अंतरिक्ष अन्वेषण के नैतिक निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Analyse the ethical implications of commercial space exploration, especially with the entry of private sector in recent times. (Answer in 150 words) 10

स्पेसएम्स, इलुमिनेट आदि  
स्पेश कंपनियों अंतरिक्ष अन्वेषण में  
कार्रवाही कर रही हैं।

जिससे जुड़े नैतिक निहितार्थ हैं।

### ① प्रतिस्पर्धा में वृद्धि

यह वृद्धि स्पेस क्षेत्र में बढ़ती जा रही है जिससे सार्वजनिक सेक्टर से सुरक्षा  
होता है, सामाजिक आर्थिक समस्या पैदा  
होगी है।

### ② सामाजिक असमानता

अमीर वर्ग स्पेस में ज्यादा हथि लेगा  
जिससे सामाजिक असमानता में बढ़ि होगी।

एक → LEO की रिकॉर्ड २५०० \$ थी।

### ③ कोई नीति व वैश्विक संघिन अभाव

इसके अभाव में स्पेस संसाधनों का  
असाध्य दोहन मिलता है।

(iv) अंतरिक्ष शास्त्रीकरण में वृद्धि

निजी क्षेत्र में वृद्धि के कारण  
अंतरिक्ष शास्त्रीकरण में वृद्धि होती जो  
कि मानवता के लिए खतरा है।

६५ — मिशन शक्ति, अमेरिका की  
स्पेस फोर्स।

(v) जवाबदेहिता का अभाव।

→ ऑस्ट्रेलिया तथा स्पेस  
मार्शे ५

(vi) पर्यावरणीय मुद्दे

→ ओजोन परत विघटन  
→ पर्यावरणीय प्रदूषण

अतः निजी क्षेत्र में अंतरिक्ष क्षेत्र  
बिना में भागीदारी को निर्धारित की जाने  
की आवश्यकता है।



3. (b) यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) में हमारी दुनिया को मौलिक रूप से बदलने और उसे अस्त-व्यस्त करने की क्षमता है, तथापि सही नैतिक विकल्प AI को मानवता के लिए अच्छाई का एक प्रेरक बना सकते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While Artificial Intelligence (AI) has the potential to radically transform and disrupt our world, the right ethical choices can make AI a force of good for humanity. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीनीयता कह  
सकता है जिसमें एक मशीन बुद्धिमत्ता  
का प्रयोग कर सके। जिससे यह न  
केवल मानव जीवन में अत्यंत बिक  
समस्या भी लेना पारी है।

A.I. से समस्या

### ① सामाजिक समावेशिता

नैतिकता का खतरा, बेरोजगारी में  
वृद्धि इत्यादि खतरा विद्यमान है।

### ② पारदर्शिता, जवाबदेहिता का अभाव

मशीनों के प्रति निम्नलिखित भी जवाबदेहि  
नही रखते हैं।

### ③ भावनात्मकता न होना

रुझा, दया, समानुभूति का मूल्य न होना  
वेनिता के खिलाफ है।



हालांकि सही A.I. नैतिकता अच्छाई में  
पेयर बन सकती है -

→ मानव श्रम बचाना -

Ex - chatbot, chat GPT का प्रयोग  
करना तथा A.I. के प्रयोग से ऑटोमेटेड  
सेक्टर में अप्रेशन करना।

→ बुजुर्गों में कमी -

दीर्घकालिक बुजुर्गता लागत में कमी  
आएगी।

→ डेटा गोपनीयता

गोपनीयता संविधान के मूल अधिकारों  
के सापेक्ष है। मतलब यह आवश्यक है।

→ अवकाशवैधता, पारदर्शिता में चूड़ि।

अतः A.I. का प्रयोग नैतिक  
रूप से रहे तो यह मानवता के लिए  
वरदान साबित होगा।



4. (a) 'सामाजिक जवाबदेही' पद से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए और किसी भी सामाजिक जवाबदेहिता संबंधी पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

What do you understand by the term 'social accountability'? Explain its significance and discuss critical factors responsible for the success of any social accountability initiative. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक जवाबदेही का अर्थ है  
निर्वाह के प्रति सामाजिक संगठनों तथा  
संस्थानों के प्रति जवाबदेहिता सिद्ध करना।  
एह - हाल ही में सरकार ने 'मनरेगा'  
में सामाजिक जवाबदेही को लागू  
किया।

सामाजिक जवाबदेहिता का महत्व

- ① समाज में जागरूकता में वृद्धि।
- ② शासन में पारदर्शिता, जवाबदेहिता में वृद्धि।  
एह - RTI, सेवानुम, सिटिजन पार्टिसिपेटरी
- ③ सार्वजनिक धन का सदुपयोग करना।  
एह → मनरेगा फण्ड।
- ④ लोगों के जन विश्वास में वृद्धि।

## सामाजिक जवाबदेहिता के लिए भाग

- ① समाज के स्तर पर
  - लोगों में जागरूकता का स्तर बढ़ाना।
  - अपनी पहचान व लोकेशन की ताकत समझना।
- ② राजनीति
  - मनोवृत्ति का विकास
  - नेताओं द्वारा स्वयं के प्रति लागू करना।
- ③ मीडिया
  - सूचनाओं की भावनाजही
  - लोकेशन के 4<sup>th</sup> स्तर की तरह सूचनाओं में छेड़छेड़ करना।
- ④ NGO/SMO
  - जवाबदेहिता में वृद्धि।
  - पारदर्शिता पूर्ण शासन।

भर: सामाजिक जवाबदेहिता को शासन में अपनाकर केवल शासन की वक्तव्य लोगों को जनसमूह की भी जिम्मेदारी/अवधारित में वृद्धि की जाती है।



4. (b) भ्रष्टाचार लोकतंत्र के समक्ष एक चुनौती है और भ्रष्टाचार के बारे में नागरिकों के अनुमान इसकी व्यापकता और नुकसानदेहता के मुख्य मानदंडों में से एक है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Corruption is a challenge to democracy and citizens' estimations of corruption are one of the main criteria for its wideness and harmfulness. Discuss. (Answer in 150 words) 10

भ्रष्टाचार का अर्थ है - सौंपी  
गई शक्ति का खुद के हित के  
लिए प्रयोग करना।

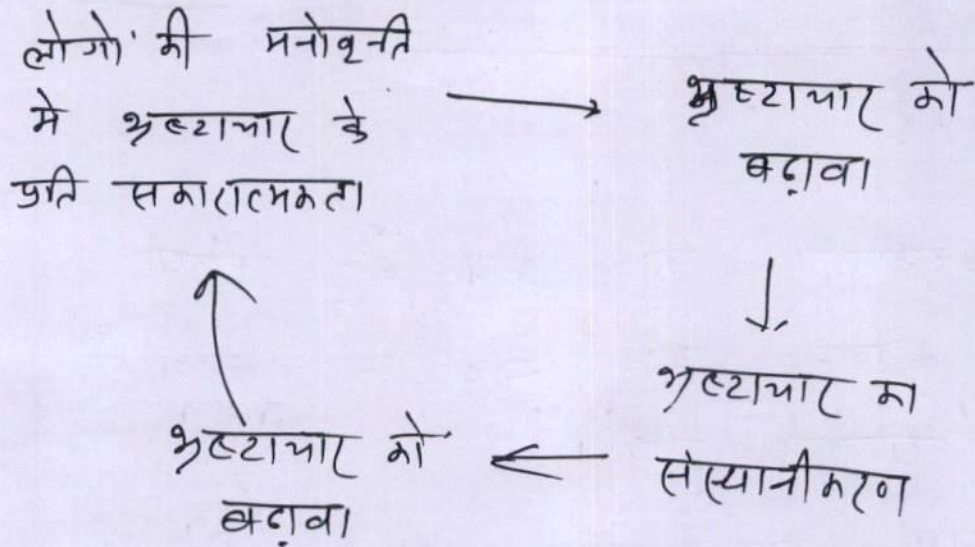
इसमें धन, आर्थिक मदद, भारी-भरतीकरण  
इत्यादि सभी शामिल होते हैं।

उदाहरण - 20 घोड़ों, व्यापक घोड़ों।

भ्रष्टाचार: लोकतंत्र के समक्ष चुनौती

- ① लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे सामाजिक, आर्थिक  
न्याय पर खतरा।
- ② सर्व समावेशिता को कमजोर।
- ③ सार्वजनिक धन का दुरुपयोग।

भारत के कर्पण परसेप्शन  
इंडेक्स के अनुसार 81 के स्थान पर है जो  
नागरिक की व्यापकता तथा अनुमान को  
दिखाती है।



- भ्रष्टाचार के प्रति समालोचनात्मक भावना (Public opinion's critical attitude towards corruption)
- ↳ - भ्रष्टाचारी के प्रति निष्ठा का भाव समाज में न होना।
- ~~सब~~ सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के प्रति जनता का जवाबदेही न लेना।
- लोगों में भ्रष्टाचार का संस्थानीकरण।

भारत: भ्रष्टाचार का समाधान के लिए लोगों की मनोवृत्ति तथा 2<sup>nd</sup> ARC की शासन में ईतिहास रिपोर्ट की अनुशंसाओं को निर्धारित बिना जाना चाहिए।



5. (a) घर से काम करने की संस्कृति ने निजी संगठनों में कई नैतिक चिंताएं उत्पन्न की हैं। इसके आलोक में, क्या आपको लगता है कि किसी कर्मचारी के लिए मूनलाइटिंग (दो नौकरियां करना) नैतिक है? चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Work from home culture has led to many ethical concerns in private organizations. In light of this, do you think it is ethical for an employee to practice moonlighting? Discuss. (Answer in 150 words)

10

COVID-19 के दौरान घर पर  
कार्य करना की संस्कृति को बढ़ावा  
मिला। जिसने कई वर्गों ने एक समय  
में दो कंपनियों में साथ-साथ  
काम किया, जिसे मूनलाइटिंग कहा जाता है।

बर्क फ्रॉम कल्चर : नैतिक चिंताएँ

- ① कर्मचारियों पर काम के घंटे से अधिक काम करवाना।
- ② आप में कुछ सीमा तक कमी करना।
- ③ कर्मचारियों पर जाँच छोड़ने या दबाव बनाना।
- ④ महिलाओं की वर्क तथा परिवार की दोहरी बोझ।

इस संवद में मूनलाइटिंग के पक्ष में नैतिकता के पक्ष में यह हो सकता है।

पत्र में ~~सुझाव~~

- ① कैरियर ऑप्शन में चूड़ि।
- ② कॉन्फ्लिक्ट में चूड़ि होना।
- ③ आप में चूड़ि होना।
- ④ एम्बिगुअल पसंद।

विपक्ष में

- ① कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इन्टरेस्ट।
- ② मिली एक पक्ष की तरफ झुकाव, इससे के ज़रूरी इमैक्टिव ठहराया है।
- ③ केपनी के संसाधनों का उपयोग।
- ④ कार्य तथा जीवन में संतुलन नहीं।

मूनलररिंग एक एम्बिगुअल पसंद है, उसे तब तक सही बहसाया जाना चाहिए जब तक कोई भी संगत को सुरक्षित ना हो।



5. (b) क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ESG) संबंधी विचार एक निगम के लिए उसके व्यवसाय हेतु अत्यधिक मूल्य सृजित करते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दें)

Do you agree with the view that environmental, social, and governance (ESG) considerations for a corporation create immense value for the business? (Answer in 150 words)

10

एक जागरूक निवेशक निवेश करते समय संगठन के ESG संबंधी विचार को देखता है, वह E - पर्यावरण संबंधी नीतियों तथा पहलु देखता है,

वही S → सामाजिक जिम्मेदारी, जवाबदेही इत्यादि तथा G → शासन, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को देखते हैं।

ESG मुख्य व्यवसाय के लिए अत्यधिक मुख्य घटक

① टॉप डाउन अग्रेज -

नीतियों में ESG दृष्टिकोण को नीचे तक के संघाटनीयता के लिए अभिप्रेरित करता है।

② ~~बोम~~ मुख्यों का समावेश

कृष्ण, दया, सत्यनिष्ठा इत्यादि का समावेश व्यवसाय की मूल्यता में बढ़ी लाती है।

③ लागत में कमी

ESG लागत में कमी को  
निर्धारित होता है।

④ उत्पादकता में वृद्धि

सम्पूर्ण उत्पादकता में वृद्धि होता है।

⑤ सामाजिक जवाबदेहिता में वृद्धि  
करता है।

⑥ पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान करता है।

हालांकि अल्पकालिक में लग्न बढ़ सकती है  
तथा कार्य संस्कृति में समस्या भी आ  
सकती है।

भारत ESG सामाजिक जवाबदेहिता,  
पर्यावरण, पारदर्शिता का संप्रवेशन का  
एक संघाटनीयता तथा संप्रवेशी संवृद्धि  
का रास्ता दिखाते हैं।



6. (a) हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थान कार्यरत हैं, फिर भी, राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति हेतु अक्सर नैतिक मूल्यों और इन संस्थानों के दिशा-निर्देशों की उपेक्षा कर देते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

While there are multiple institutions to ensure fairness in international relations, states often put aside moral values and the directions of these institutions for their own interests. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

अन्तर्राष्ट्रीय संस्था जैसे UN,  
WHO, UNSC इत्यादि निष्पक्षता सुनिश्चित  
करने के लिए कार्यरत हैं, फिर भी  
राष्ट्र अपने हितों के लिए नैतिक मूल्यों  
तथा दिशा निर्देशों की उपेक्षा करते हैं-

### ① व्यापारिक संरक्षणवाद

आर्थिक लाभ के लिए देश WHO की  
मुक्त व्यापार नीति के विरोध में अनुचित  
अनैतिक व्यवहार करते हैं

Ex → यूरोपीय यूनियन का SPS समझौता

### ② असुरक्षा या युद्ध के प्रति-

UN संकल्प के प्रति सकारात्मक  
में एस-प्रूवेन प्रूवेन अपने पक्ष में वोटिंग

### ③ जलवायु परिवर्तन

CBDR सिद्धान्त की अनुपालन न होना

ए. climate fund का निर्धारित  
बजटित प्रदूषण न जाएत न पाना।

⑥ स्वदित को बढ़ावा

सभी देशों द्वारा स्वदित को बढ़ावा  
ए. → यूरोपीय देशों का अफ्रीका में  
निवेश।

⑦ सेक्टर का सेक्टर -

ए. चीन द्वारा सीतेंस का हमबनरोटा  
पोर्ट चीनना।

⑧ भातेमवाद समर्थित

ए. पाकिस्तान का भारत में भातेमवाद  
फैलाना।

भारत : अंतराष्ट्रीय देशों से संवर्धित  
इतिहास की कुपलना की जानी चाहिए  
जिससे वसुधैव कुटुम्बकम् या सर्वजनहित  
उत्थापन को जाएत न सके।



6. (b) विदेशी वित्त-पोषित अनुसंधान परियोजना के तहत विकासशील देशों में किए जाने वाले चिकित्सा अनुसंधान से उत्पन्न हो सकने वाले विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें)

Discuss the various ethical issues that can arise when a foreign-funded research project conducts medical research in developing countries. (Answer in 150 words) 10

हाल ही में सेरोबोसी विधि म  
कानून को पारित किया जो चिकित्सा  
क्षेत्र में नैतिकता का समावेश करता है।

विदेशी वित्त पोषण से नैतिक मुद्दे

- ① चिकित्सीय परीक्षणों से संबंधित नैतिक मुद्दे

ये परीक्षण गरीब, शोषित व्यक्तियों  
के के प्रयोग से किए जाते हैं।

ए- प्रक्रिया में काफी मायने भाए हैं।

- ② गैर नैतिक मानक न होना

सार्वभौमिक मानकों का अभाव।

- ③ जानवरों के प्रति दुर्भेद्यता

परीक्षण में जानवरों का प्रयोग किया  
जाता है जो जानवर के प्रति मानवीय  
नैतिकता का खतरा बनाता है।

ए- COVID-19 का निर्देयता का प्रयोग।

(iv) डेटा संरक्षण का अभाव -

(v) जवाबदेहिता का अभाव

एक बार मेडिकल भ्रुलंघान हो जाने के बाद दुष्प्रभावों के प्रति जवाबदेही न होना।

Ex - मिमी कॉलीकुलस मूवी।

(vi) समीक्षा तंत्र का अभाव -

मजबूत समीक्षा तंत्र का न होना।

Ex - CD SCO, NP PA इत्यादि की भारत में प्रभावकारिता न होना।

(vii) लोगों के सामाजिक-शैक्षणिक अधिकारों का हनन।

अ. चिकित्सा भ्रुलंघान को जवाबदेहिता, पारदर्शिता के साथ नैतिकता पूर्वक संपादित किया जाना चाहिए।



6. (c) गुरु नानक देव की महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो आज के युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।  
(150 शब्दों में उत्तर दें)

Discuss the important teachings of Guru Nanak Dev relevant to the youth of today.  
(Answer in 150 words) 10

भारत में कई सांस्कृतिक-  
धार्मिक गुरु हुए जिनमें गुरु नानक  
सिम्ब धर्म के 10वें गुरु हैं जिनकी  
शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं।

गुरु नानक की शिक्षाएँ

- ① मानवता के प्रति सम्मान की भावना।
- ② सत्ता का समावेशन।
- ③ जाति-वर्ण के विरोध में एक जगह लोग की स्थापना।
- ④ महिलाओं की मुक्ति उपान करना।
- ⑤ पाखण्डों की कमी करना।
- ⑥ अंधविश्वास का विरोध।
- ⑦ नैतिकता युक्त जीवन जीना।

आज के युवा के लिए जाहंगीर

- (i) कृषि का समावेशित नए समाज, पर्यावरण के संरक्षण में वृद्धि तथा सौजदात्मिक भावनाओं का दाय होगा।
- (ii) लैंगिक विविधता के सम्मान में वृद्धि जिससे जेनरि के अवसर बढ़ेंगे।
- (iii) श्रद्धा-विश्वास तथा पाखण्डों में कमी से वैज्ञानिक जागरूकता में वृद्धि।
- (iv) नैतिकता एवं जीवन को लक्ष्य दिखाना मिलना।
- (v) मानवता का स्वतंत्रता भी फुलाना  
कृषि नानक जी की शिक्षाओं का प्रयोग करते हुए युवा नैतिक मूल्यों का अनुसरण करते हुए उच्च सफलता की ओर बढ़ेंगे।



## SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. पिछले कुछ समय से, दुनिया भर में व्यावसायिक समाचार बड़े पैमाने पर छंटनी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी फर्मों और नए युग के स्टार्ट-अप्स जैसी खबरों से भरे पड़े हैं। यह तब है जब कुछ समय पहले तक, स्टार्ट-अप्स के लिए हर जगह एंजेल इन्वेस्टर्स, वेंचर कैपिटल फर्म, प्राइवेट इक्विटी और अन्य से असीम धन एवं फंडिंग मिल रही थी। ऐसा लगता है कि अब धन की यह प्राप्ति अचानक बंद हो गई है। रिकॉर्ड वैल्यूएशन और पारितोषिक संबंधी खबरों की जगह कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर हो रही छंटनी ने ले ली है। स्टार्ट-अप्स और प्रौद्योगिकी फर्मों के संस्थापक अपने उद्यमों की लाभप्रदता सुनिश्चित करने और अपने निवेशकों एवं शेयरधारकों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी के मद्देनजर इस कार्य को सही ठहरा रहे हैं। दिया जा रहा तर्क सतत विकास और लाभप्रदता सुनिश्चित करने से संबंधित है। हालांकि, यह सर्वविदित है कि वर्तमान स्थिति के लिए खराब और गैर-जिम्मेदाराना निर्णयन श्रृंखला उत्तरदायी है। दुर्भाग्य से इसका परिणाम नौकरी में प्रवेश करने वाले नए और मध्यम स्तर के कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

- हाल ही में बड़े पैमाने पर नए युग के स्टार्ट-अप्स में हुई छंटनी से संबंधित हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।
- उच्च स्तरीय प्रबंधन द्वारा इस तरह के गैर-जिम्मेदार आचरण के लिए, विशेष रूप से भारत में हो रहे स्टार्ट-अप्स में, उत्तरदायी कारणों की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त समस्याओं से निपटने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें)

For some time now, business news across the world has been filled with reports of massive layoffs taking place, particularly in technology firms and new-age startups. This, when only till a while ago, limitless money and funding were flowing to startups from all over - Angel Investors, Venture Capital firms, Private Equity, and so on. The money tap seems to have been suddenly closed now. What has replaced the news of record valuations and remunerations, is that of massive firing of employees. The founders of startups and technology firms are justifying the exercise in wake of their responsibility to ensure profitability of their ventures and their accountability towards their investors and shareholders. The argument being advanced pertains to ensuring sustainable growth and profitability. However, it is well known that behind the present scenario lie a series of poor and irresponsible decision-making. But it is the entry and middle-level employees who are unfortunately being made to bear the brunt of it.

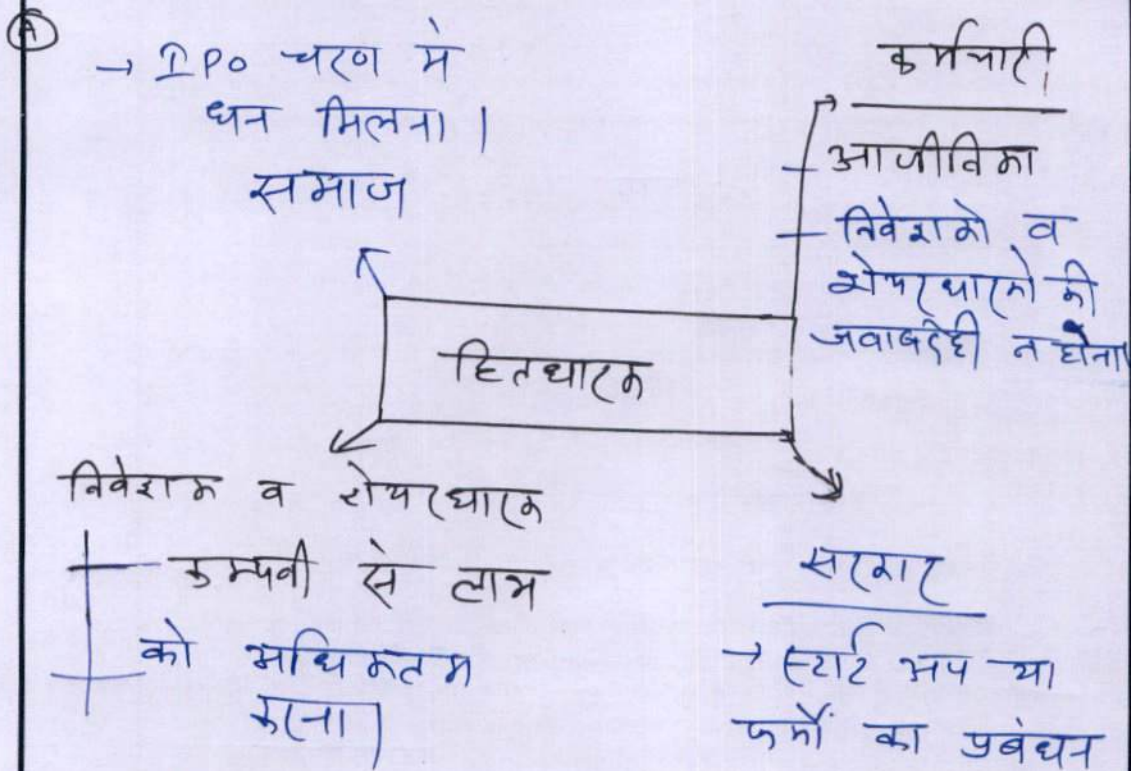
In this context, answer the following:

- Mention the stakeholders and ethical issues surrounding the recent mass layoffs in new age startups.
- Identify the reasons behind such irresponsible conduct by higher management, particularly in startups in India.
- Suggest some measures to tackle the aforementioned problems. (Answer in 250 words)

20



हाल ही में अमेजन तथा  
swi group कंपनी द्वारा अपने इन्वेंटरी  
की धाँसी की गई, जिससे यह वैश्व  
समस्या चर्चा में आई।



वैश्व मुद्दे

- प्रबंधन की सतर्कता का  
अभाव।
- कर्मचारियों की आजीविका का  
संभार।



- कोरपोरेट गवर्नेंस का सुप्रबंधन।
- वित्तीयामक असमता
- फर्जी मूल्योन्नत द्वारा IPO निवेशकों को धोखा देना।

⑧ उच्च स्तरीय प्रबंधन द्वारा रस तट के गैर लिम्बेदार शासन के लिए  
कारण

① कोरपोरेट गवर्नेंस की अनुपालना न होना

कोरपोरेट की अंतरदायित्व सभी हितधारकों के प्रति होनी चाहिए, जिसका अभाव के चक्कर में चले घंटनी बढ़ती है।

② श्रम कानूनों का अभाव

श्रम कानूनों का औपचारिक अर्थव्यवस्था में पालन नहीं हो जाता है।

③ वित्तीयामक असमता

रेग्युलेशन छूट के चलते ये समस्याएँ



पेदा होती हैं

(iv) निवेशकों का स्वहित को प्राथमिकता दिया जाना।

(v) उच्च लागत - SWI way जैसी कंपनियों को धरती के लिए प्रमोट करती हैं

(vi) लोगों में जागरूकता का अभाव है

(vii) निवेश को अधिक आकर्षित करना।

(c) उपरोक्त समस्या से निपटने के लिए सुझाव

(i) कोर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार के लिए उच्च स्तर समिति की सिफारिश भपनायी जानी चाहिए।

स्वातंत्र निदेशकों का प्रयोग। स्वतंत्र निदेशकों के जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कोर्ट में भारी-भरती जावाद नहीं होना चाहिए।



- ② SEBI को IPO सुल्झाकर है  
निष्पत्ति को ठहराया जाना चाहिए
- ③ सरकार को शुभ माननों का  
विश्रामन मर औपचारिकता विना जाना चाहिए
- ④ अंतरराष्ट्रीय विन्तीय उद्योग खान्चा  
तैयार किया जाना चाहिए
- ⑤ कर्मचारियों के लिए निरन्तर  
मैशाल उद्योग को बगल दिया  
जाना चाहिए।

अतः स्टार्टअप को विन्तीय उद्योग  
तथा विनिमयीय उद्योग को पुर्नाने  
हुए देश उद्योग संरुद्धि के लिए  
उचित किया जाना चाहिए।



8. रूपा एक युवा लोक सेवक है और अपनी संतान के जन्म के तुरंत बाद और बिना अपने मातृत्व अवकाश को पूरा किए काम पर लौट आई है। हालांकि, उसने अपने बच्चे को कार्यालय में लाना शुरू कर दिया और वह बच्चे को गोद में लेकर बैठकों में भाग लेने लगी है। उसकी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर अपलोड की गईं। कुछ लोग उसकी एक युवा व स्वतंत्र कार्यशील माता के रूप में प्रशंसा कर रहे हैं जबकि अन्य उसके द्वारा आधिकारिक कृत्यों को कम महत्व देने तथा अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों कर्तव्यों को पूरा करके एक साहसिक तस्वीर प्रस्तुत करने के प्रयास के कारण उसकी आलोचना भी कर रहे हैं।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- (a) क्या आपको लगता है कि अधिकारी का कृत्य उचित था? क्या एक लोक सेवक के व्यक्तिगत और व्यावसायिक कर्तव्यों के बीच ओवरलैप होना चाहिए? ✓
- (b) क्या भारत में कार्य संस्कृति कार्यशील माताओं को उनकी दोहरी भूमिका निभाने से रोकती है? 250 शब्दों में उत्तर दें। ✓

Rupa, a young civil servant, rejoined work soon after giving birth to her child and without availing her full maternity leave. However, she began to bring her child in the office and started attending meetings with her child in arms. Some of her photographs were also uploaded on social media. While some are hailing her as a young independent working mother, she is also being criticized by others on account of trivialising her official work and of trying to paint a heroic picture by fulfilling both her personal and professional duties.

In this context, answer the following the questions:

- (a) Do you think the act of the officer was justified? Should there be an overlap between personal and professional duties of a civil servant?
- (b) Does the work culture in India hinder working mothers from fulfilling their dual role? (Answer in 250 words) 20

हाल ही में U.P ईश्वरी  
महिला IAS भविष्य सौम्या पाण्डे  
संतान के जन्म के तुरंत बाद काम  
पर लौट आई। प्रस्तुत इस स्थिति की  
इसी मुद्दे से जुड़ी है।



① रूपी द्वारा संतान के जन्म के तुरन्त बाद सेवा पर लौटना एक उचित निर्णय था।

(1) दोनों जिम्मेदारियों का उचित कार्यान्वयन करना।

रूपी द्वारा माता की भूमिका तथा प्रशासन की भूमिका दोनों का बखूबी कार्यान्वित किया है।

(II) उदाहरण के रूप में पेश

कई कम्पनियों में महिलाओं के मातृत्व के माहौल का जन्म नहीं होते, रूपी का ऐसा प्रयास कम्पनियों को एक सख्त प्रदान करेगा।

III अन्तराष्ट्रीय उदाहरण

न्यूजीलैंड की PM का अपनी संतान के साथ लेकर संसद में



आका अपनी जिम्मेदारियों का  
कार्यन्विन बना।

(iv) बच्चों पर समारात्मक प्रभाव

बच्चों की प्रशासनिक प्रभावशाली  
पर समारात्मक प्रभाव पड़ता है।

(v) जिम्मेदारियों को सीखना

राजस्थान में पिता दिवस पर हर  
बेटी को पिता के ऑफिस भेजा  
जाता है और उसी जिम्मेदारियों  
समझाई जाती है।

उन्हें यह पता है कि व्यक्तिगत  
और व्यवसायिक कर्तव्यों के बीच  
भौवलेप होना चाहिए?

सिविल सेवा नियमावली तथा  
आयुक्त संहिता के अनुसार सिविल



सेक्टर को व्यवस्थित तथा व्यवसायिक  
कर्मियों को अलग-अलग किया  
जाना चाहिए।

जैसे- Mr. विश्वसेना का निजी कार्य  
करते समय सरकार की मोटरवेली का  
प्रयोग न करना।

लेकिन यह हर सामान्य जीवन में  
संभव नहीं है, अगर सार्वजनिक सेक्टर अपनी  
प्रशासनिक जवाबदेहियों को शत-प्रतिशत  
विस्फुल्लता से पूर्ण करता है, तो निजीजीवन  
का धोड़ा बहुत हस्तक्षेप में समस्या  
नहीं होनी चाहिए।

(b) भारत की कार्य संस्कृति के  
मदताओं को दोहरी भूमिका निभाने  
से रोकती है -

(1) निजी क्षेत्र की भागीदारी

निजी क्षेत्र द्वारा उम्मेद महिलाओं को  
प्रशिक्षण न उपान करना।



- ⑪ पितृसन्तानिक समाज में दोनों भूमिकाओं पर विरोध।
- ⑫ संगठन की तरफ से सहजता न होना } केन सुविधान होने  
मेडिकलटीम की अनुपलब्धता
- ⑬ रॉल मॉडल की कमियाँ
- ⑭ अर्थव्यवस्था का 80% भाग औद्योगिक क्षेत्र में संलग्न।

हालांकि अभी कम सुधार, महिलाओं में शिक्षा, निजी क्षेत्र में उगातिशीलता में वृद्धि हुई है लेकिन इससे संबंधित और ज्यादा किए जाने चाहिए। इस संबंध में PM माहुरत्व कक्षा योजना इत्यादि योजना को निर्धारित किया जाना चाहिए।



9. आप लगभग 15 वर्षों से एक प्रसिद्ध व्यावसायिक सलाहकार कंपनी में काम कर रहे हैं और आपको वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पदोन्नत किया गया है। मीरा नाम की आपकी एक कनिष्ठ सहकर्मी है, जिसे आप समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। आपके मार्गदर्शन के साथ-साथ उसने कंपनी में जो समय और सहयोग दिया है, उसने उसे संगठन में पेशेवर रूप से तेजी से उन्नति करने हेतु प्रेरित किया है। काम का माहौल भी उसके विकास के अनुकूल रहा है। इस बीच, मीरा की माता पिछले कुछ वर्षों से बीमार हैं और उन्हें चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है। समय के साथ उसके चिकित्सीय व्यय में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, मीरा को आपके बॉस द्वारा यौन उत्पीड़न के एक असहज अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसके बारे में उसने कंपनी के मानव संसाधन विभाग (HRD) को तुरंत सूचना दी। संबंधित बॉस का कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और वह कंपनी के भीतर एवं बाहर भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मीरा को इस मुद्दे के निपटारे के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक बड़ी राशि की पेशकश की है। अगर मीरा उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो उसे एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जो मीरा को इस मुद्दे को फिर से खोलने या इसके बारे में चर्चा करने से रोकता है। मीरा को पता चला है कि संबंधित बॉस पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है। कंपनी में उसके पद और उसके संबंधों को देखते हुए, मीरा को लगता है कि वह भविष्य में उसके करियर के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन उसे पैसों की भी सख्त आवश्यकता है।

दी गई परिस्थितियों में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

- इस मामले में शामिल मुख्य हितधारकों की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
- मीरा के पास कौन-से अन्य विकल्प उपलब्ध हैं? उसे किस विकल्प का चयन करना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दें)

You have been working in a well-known business consultancy company for nearly 15 years and have been promoted to a senior executive level. You have a junior colleague, named Meera, whom you have been mentoring from time to time. The time and effort she has invested in the company along with your guidance has led her to rapidly grow professionally in the organisation. The work environment has also been conducive for her growth. Meanwhile, Meera's mother has been ill and requiring medical attention for the past few years. Her medical bills have been increasing rapidly over time.

Recently, Meera encountered an uncomfortable experience of sexual advances at the hands of your immediate boss, which she reported to Human Resources Department (HRD) of the company instantly. The concerned boss has been instrumental in the success of the company and is also well-connected within the company and beyond. He has indirectly offered a large amount for the settlement of this issue to Meera. If Meera accepts his offer, she will have to sign a non-disclosure agreement that restricts her from re-opening the issue or even discussing about it. She came to know that the concerned boss has been involved in similar acts earlier as well. Given his position in the company and his connections, Meera feels that he could be a threat to her career in the future. She is also in dire need of money.

In the given circumstances, address the following:

- Identify the main stakeholders involved in this case.
- Highlight the issues related to integrity and ethics in the case above.
- What are the various options available to Meera? Which option should she choose and why? (Answer in 250 words)

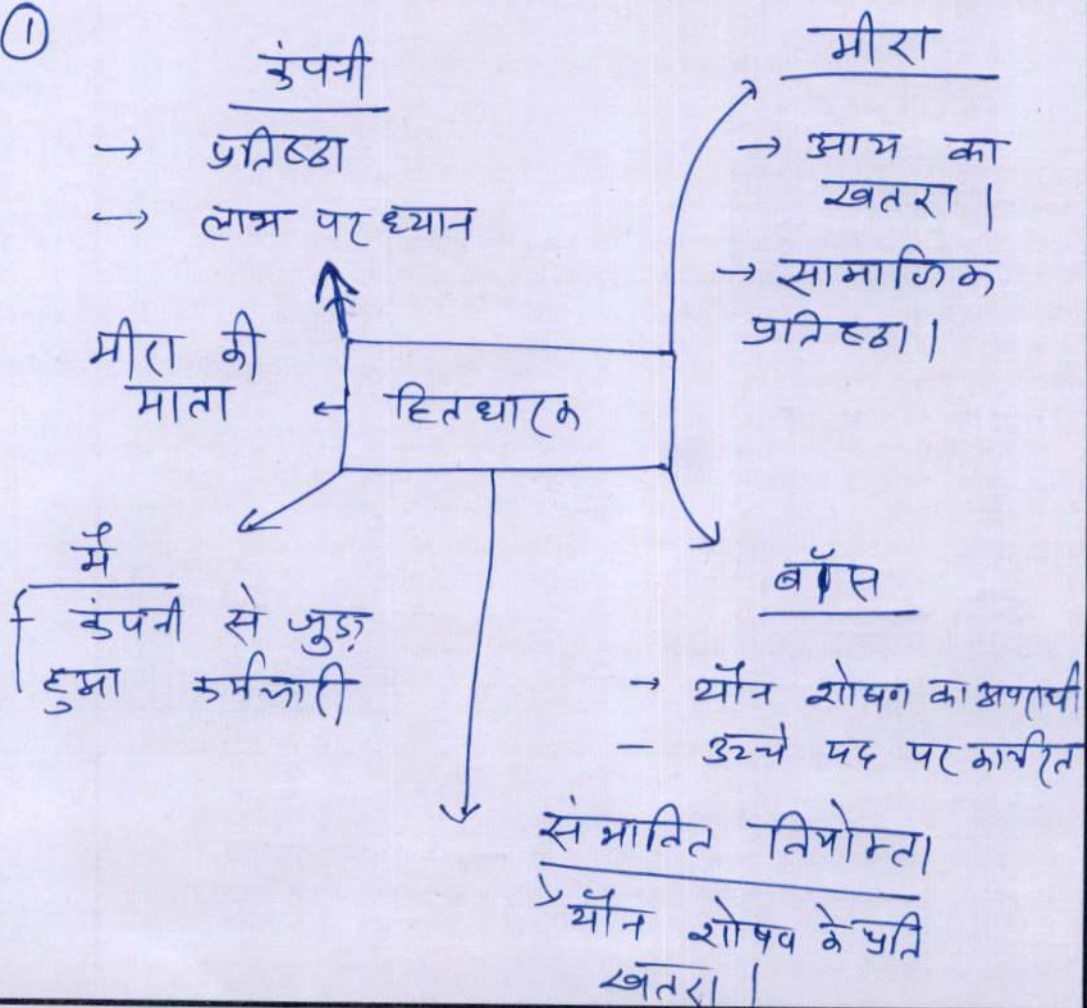
20



सरकार द्वारा कार्यस्थल पर  
गैर शोषण अधिनियम के कार्यान्वयन  
होने के बाद भी NC RD की रिपोर्ट  
के अनुसार ये मामले कम नहीं रहे  
हैं।

संबंधित केसस्टडी भी इसी मुद्दे  
से संबंधित है।

①





⑥ उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा  
तथा नैतिकता संबंधी मुद्दे

→ मैं (स्वयं) सत्यनिष्ठा के रूप में  
मीरा का सहयोग करूँगा, वही मीरा  
श्री सत्यनिष्ठा के मूल्य के तहत  
मामले में बिना किसी समझौते के  
कार्रवाई करेगी क्योंकि भागे के निशेधों  
से सुरक्षित बना है।

→ नैतिकता के अन्तर्गत अच्छी  
कार्रवाई करने का भाव दिखता है,  
जहाँ कौन यौन अपराधों के लिए  
लगाता दोषी है।

→ HRD विभाग की श्री सत्यनिष्ठा  
के तहत कार्य करते हुए उचित  
कार्रवाई की जानी चाहिए।



- विधि का सम्यक् क्रियान्वन तथा अनुपालन। व्यवसायिक सलाहकार कंपनी की सत्यनिष्ठा तथा ईतिहास को ऊंच बनाता है।

⑤ मीरा के पास उपलब्ध विकल्प

① कोई कारवाई ना करें।

② कोई कारवाई ना करते हुए जैद परीक्षण समझते पा हस्ताक्षर करते।

③ जॉब से त्याग पत्र देकर दूसरा जॉब की सोचिशा करें।

④ उचित सार्जवाही के लिए प्रयास करते हुए, कोई समझौता वादी स्थिति न भपनाता।

उपरोक्त परिस्थिति में मीरा को



चतुर्थ विकल्प को अपनाना चाहिए  
जिसके निम्न साण हैं -

— मीरा को रॉन शोषण की कार्रवाई  
को भागे बचाना चाहिए क्योंकि बाँस  
पहले भी ऐसे मुद्दों से ~~बच~~ आतुरित  
है जिससे ऑफिस कार्य संस्कृति भी उसे  
सपोर्ट करेगी।

— साध ही मीरा को अनिष्ट के निरोधकों  
स भी ध्यान रखा जाना चाहिए जिससे  
कार्रवाई पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

— मा के इलाज के लिए उसी का  
उबन्ध वह ऑफिस या बैंक लोन से भी  
बिना जा सकता है।

अतः कोरपोरेट जेब में विशाखा  
पिता निर्देश की अनुपालना करते हुए  
महिलाओं को प्राण उदान से जाना  
चाहिए।



10. आप हाल ही में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में शामिल हुए हैं वहां आपका पद रीजनल सेल्स मैनेजर का है। आपको एक वर्ष के लिए बिक्री लक्ष्य दिया गया है, जो आपके आकलन के अनुसार असामान्य रूप से अधिक है। हालांकि, बाजार का सर्वेक्षण करने पर, आपने पाया है कि प्रतियोगी ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। गहन विश्लेषण करने पर, आपको डॉक्टरों को उनके मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा उपहार, भुगतान और आतिथ्य लाभ देने की अनैतिक प्रथाओं के बारे में पता चलता है। यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस द्वारा प्रतिबंधित है। आपने इस संबंध में नेशनल सेल्स मैनेजर से संपर्क किया लेकिन उन्होंने जारी किए गए लक्ष्यों को किसी भी कीमत पर प्राप्त करने का संकेत दिया है। आपने डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन देने की प्रथा में शामिल न होते हुए एरिया सेल्स मैनेजर्स को अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन प्रोत्साहनों और लाभों को दिए बिना लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता संबंधी अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

- इस संदर्भ में, आपके द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जा रहा है?
- आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के गुणों और दोषों पर चर्चा कीजिए? आप इन विकल्पों में से किसका और क्यों चयन करेंगे?
- फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए कौन-से नैतिक विकल्प उपलब्ध हैं? )250 शब्दों में उत्तर दें(

You have recently joined as a Regional Sales Manager of a pharmaceutical company and have been given a sales target for the year, which is unusually high as per your assessment. On surveying the market, however, you have observed that the competitors are achieving such targets. On a deeper analysis, you come across unethical practices of giving gifts, payments and hospitality benefits to doctors by their medical representatives. This is prohibited by the Uniform Code of Pharmaceuticals Marketing Practices. You contacted the National Sales Manager in this regard but he hinted at achieving the released targets at whatever cost. You directed the Area Sales Managers to meet their respective targets while not engaging in the practice of unethical incentives to the doctors. They have communicated their concerns regarding their inability to meet the targets without provision of these perks and benefits.

- What are the ethical dilemmas being faced by you in this context?
- Discuss the merits and demerits of the options available to you? Which of these will you choose and why?
- What are the ethical alternatives available to the pharmaceutical sector to market their products? (Answer in 250 words)

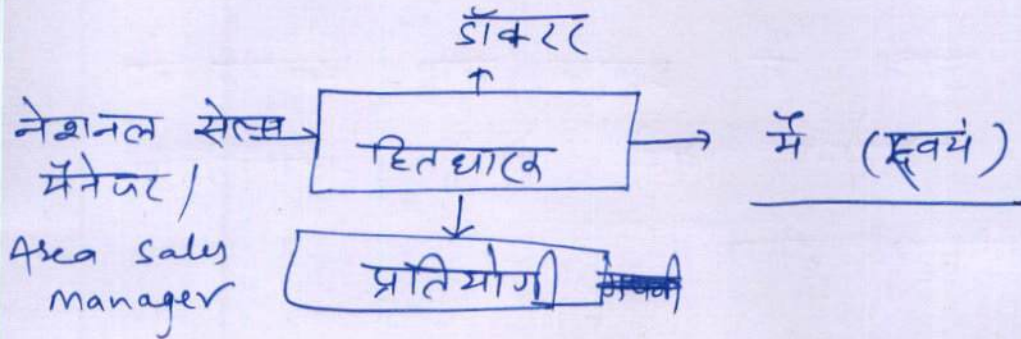
20

फार्मास्यूटिकल कंपनी में रीजनल  
सेल्स मैनेजर पद के तहत मेरे सामने  
कंपनी के लाभ को अधिकतम करना  
तथा खुद की सत्यनिष्ठा बनाए रखने



की चुनौती होगी।

प्रस्तुत केस स्टडी में दितद्याक



⑨ नैतिक कुतिद्याएँ

① सत्यनिष्ठा vs कंपनी बिक्री लक्ष्य

सत्यनिष्ठा अनुसार कार्रवाही से  
कंपनी बिक्री लक्ष्यो की पूर्ति  
नही हो सकती है।

② कर्तव्यपालन vs जिम्मेदार नैतिकता

जिम्मेदार नैतिकता उपहार, भुगतान  
आदि का ~~समर्थन~~ <sup>समर्थन</sup> करती है, वही  
कर्तव्यपालन इनका विरोध करता है।

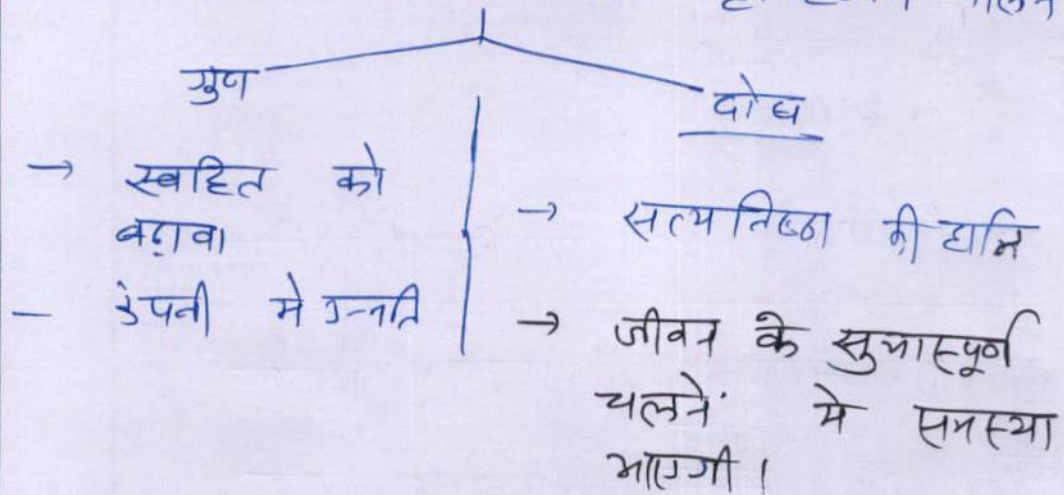


### ③ स्वहित vs सत्यनिष्ठा

डॉक्टर रिप्रेजेटिव को रिश्त कंपनी  
बिंदी लक्ष्य में जाति तथा स्वहित को  
बढ़ावा मिलेगा वही मेरी सत्यनिष्ठा  
के विरुद्ध होगा।

### ④ इस परिस्थिति में सामने उपलब्ध विकल्प

① डॉक्टर रिप्रेजेटिव को रिश्त,  
श्रुतान देकर बिंदी लक्षित दृष्टिकोण पालन



② सीनिगर को बताकर जाँच द्योउ देना

गुण	दोष
-----	-----



- |                                      |  |
|--------------------------------------|--|
| → मेरी सत्यनिष्ठा की रक्षा।          | मेरी आँखों की जगह मोर<br>झोंक रहेगा, समस्या। |
| → लोगों के स्वार्थ भयिमारों की रक्षा | तो वही हों                                   |

③ सीनिगर को समझाए, डॉक्टरों से समझाइए कर प्रभाव कला।

- | गुण                     | दोष                     |
|-------------------------|-------------------------|
| — सत्यनिष्ठा में वृद्धि | — ब्रिकी लक्ष्य भ्रष्टा |
| — दीर्घकालिक लाभ अधिक।  | — रह सकता है            |
|                         | → गुण जा सकता है        |

उपरोक्त परिस्थिति में मैं विस्मय  
उ के साथ जाऊंगा क्योंकि इसमें  
डॉक्टर तथा सीनिगरों से बात करके मुझे  
का समाधान दिया जा सकता है।  
चिकित्सकों के नैतिक दृष्टिकोण से अवगत  
करण की आवश्यकता है, साथ ही इस विस्मय  
के दीर्घकालिक प्रभाव ज्यादा है।  
अगर फिर भी ~~संभव नहीं~~ जारी रहती  
है तो NAB संस्थाओं को मदद से मार्गवाही  
की जा सकती है।



① फार्मास्यूटिकल कंपनी के पास उत्पादों के विपणन के लिए निम्न उपाय लिखा जा सकता है-

① दवा की शीघ्रता को तुलनात्मक रूप लिखा जा सकता है, साथ ही मेडिकल तथा हॉस्पिटल की निम्न चेत बढ़ायी जानी चाहिए।

② कंपनी को वैकल्पिक बाजारों की तलाश में जुटना चाहिए।

③ कंपनी को प्रेरित गंत से विज्ञापन का सहारा लिखा जा सकता है।

अतः फार्मास्यूटिकल विपणन में भारी समस्याओं का समाधान लिखा जाना आवश्यक है जिससे लोगों को दवाइयों का वितरण हो सके।



11. लोक सेवकों को आमतौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों को पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वाले अभिकर्ताओं के रूप में माना जाता है। स्थायी कार्यकारी होने के नाते, इनसे उम्मीद की जाती है कि ये सुर्खियों में आए बिना अपने कार्यों का निर्वहन करें, जबकि यह राजनेताओं पर निर्भर है कि वे अपने राजनीतिक कृत्यों के लिए सुर्खियों में रहें। हालांकि, हाल के दिनों में एक प्रवृत्ति विकसित हो रही है जिनमें लोक सेवकों, विशेष रूप से युवा लोक सेवकों ने नियमित रूप से अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ अधिकारियों ने लोकप्रियता का वह स्तर हासिल कर लिया है जो भारत में मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के लगभग समान है। सोशल मीडिया पर मौजूद इन अधिकारियों में से अधिकांश का तर्क है कि इससे उन्हें लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है और युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है। हालांकि, कई वरिष्ठ लोक सेवक इस तरह की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे अधिकारियों द्वारा साझा की गई कुछ सामग्री केवल पब्लिसिटी लेने के लिए होती है, ये लोक सेवाओं के 'सिद्धांतों' का उल्लंघन करती हैं और यहां तक कि उनके स्वयं के करियर के साथ-साथ समग्र रूप से सेवा के लिए भी हानिकारक हो सकती हैं। युवा अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से सलाह दी जा रही है कि वे अपनी छवि को फिल्मस्टार जैसा बनाने से बचें।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (a) लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?
- (b) लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है?
- (250 शब्दों में उत्तर दें)

Civil servants are usually considered as the behind-the-scenes operators of plans and policies of the government. Being the permanent executive, they are expected to work without getting into the limelight while it is up to the politicians to hog the limelight for their political ends. But in recent times, a trend is developing where civil servants, especially younger ones, have taken to social media to post their day-to-day activities on a regular basis. Some studies suggest that some of the officers have attained a level of popularity that does not trail too far behind celebrities and influencers in India.

Most of these officers with social media presence argue that this helps them connect with the people and also inspire the younger generation. However, many senior civil servants strongly oppose such a trend. They believe that some of the content shared by such officers is excessively publicity-seeking, violates the 'principles' of the civil services, and may even be disadvantageous to their own career as well as the service as a whole. There have been calls from various quarters advising the young officers to desist from creating a filmstar like image of themselves.

In this context, answer the following questions.

- (a) What are the ethical issues associated with the excessive use of social media by civil servants?
- (b) How can social media be effectively utilized by public officials?(Answer in 250 words)

20



प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार  
लोकसेवक अशोक स्तम्भ के चौथे  
सिंह के अनुसार हैं जो सर्वेव पीछे  
रहता हैं। अतः सिविल सेवक  
को भ्रामिकता का गुण अपनाया  
जाना चाहिए।

(A) हाल ही में सिविल सेवक  
सोशल मीडिया का अधिक उपयोग  
कर रहे हैं, जिसे जुड़े मंत्रि दुर्लभ-

→ महिमा प्रवर्धन करना

लोक सेवकों द्वारा अपने कार्यों,  
पॉस्ट को बड़ा-चमक दिखाया जाता  
है।

ए → ए.ए.टी. ने गुजरात चुनाव में  
टी.ए.डी. भ्रष्टाचार को झुकी से दिखाया।



### → लोगों का दबाव

सोशल मीडिया पर लोग फोटो, पोस्ट इत्यादि साप्ताहिक पर समस्याओं आदि का व्याख्यान रहता है जो कुछ नकुली है तो कुछ असली। इसका दबाव सिविल सेवक को रहता है।

### → निजता का भ्रम

सिविल सेवक का धर्म, निजी मान्यता इत्यादि का प्रजा-प्रसा शासन के संकेत प्रबंधन में समस्या का कारण बन सकता है।

→ साम्प्रदायिकता में विरोध मान्यता वाले इस भ्रम का लोगों द्वारा विरोध।

### → जनता के प्रति सीधे जवाबदेही नहीं

मंत्री की जनता के प्रति जवाबदेही होती



होती हैं न कि सिविल सेवक की।

- सत्यनिष्ठा या सेक्टर संग्राह्य है।
- सेक्टर प्रबंधन में समस्याएँ आएगी।
- अच्छी कार्य लेहनी विधि में बाधा बन सकता है।

⑥ लोक भूमिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग

① प्रभावी उपयोग के लिए सिविल सेवक को निजी धार्मिक मान्यताएँ, राजनीतिक रुचि इत्यादि को जनता के सम्मुख नहीं लाया जाना चाहिए।

② सिविल सेवक को व्यवसायिक तथा निजी मामलों के लिए अलग-अलग अकाउंट बनाए जा सकते हैं, वही निजी अकाउंट में सिर्फ निजी मिश्रण होने चाहिए।



(iii) सिविल सेवा में जन-उत्थाण से संबंधित कार्यों में जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग किया जा सकता है।

Ex → परिभाषी कैम्प के लिए दिनांक घोषणा करना।

(iv) लोगों में सामान्य समस्याओं जैसे Covid-19 जैसी बीमारियों के लिए जागरूकता फैलाना।

अट. सोशल मीडिया प्रयोग को समाज तथा शासन कल्याणकारी में प्रयोग किया जाना चाहिए।



12. आप भारत में एक सफल मार्केटिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं, जिसके कई हाई प्रोफाइल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक हैं। विविधता को बढ़ावा देने के लिए कंपनी सभी सामाजिक और धार्मिक पृष्ठभूमि के लोगों को काम पर रखने का हर संभव प्रयास करती है। एक दिन, एक कर्मचारी मिस 'A' जिसे हाल ही में काम पर रखा गया था, आपको बताती है कि वह अक्सर इस तथ्य के कारण कंपनी में भेदभाव महसूस करती है कि वह एक ट्रांसजेंडर महिला है। वह आगे कहती है कि वरिष्ठ पुरुष कर्मचारी उसकी उपस्थिति में असहज हो जाते हैं। इसके अलावा, अन्य कर्मचारी उसके व्यक्तिगत जीवन पर चर्चा करना चाहते हैं, जबकि उसकी ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं है। वह यह भी कहती है कि उसे कुछ विभागीय बैठकों से बिना कोई वैध कारण बताए बाहर कर दिया गया है। इन उदाहरणों के कारण, वह उत्पीड़ित महसूस करती है और चाहती है कि या तो आप स्थिति को तुरंत ठीक कर लें या फिर उसका इस्तीफा स्वीकार कर लें। अगर वह इस्तीफा देती है और यह जानकारी सार्वजनिक हो जाती है, तो कंपनी की छवि खराब होगी। हालांकि, आप जानते हैं कि अपने कर्मचारियों, विशेष रूप से वरिष्ठ सदस्यों के रवैये में तत्काल बदलाव लाना मुश्किल है, क्योंकि ऐसे बदलावों के लिए समय की आवश्यकता होती है।

इस संदर्भ में:

- (a) इस स्थिति में मौजूद नैतिक मुद्दों पर प्रकाश डालिए।  
(b) एक प्रबंध निदेशक के रूप में, आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?  
(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए आपके द्वारा चुने गए विकल्प का उल्लेख कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें)

You are the Managing Director of a successful marketing company in India that has several high profile national and international clients. The company makes every effort to hire people from all social and religious backgrounds in order to promote diversity. One day, an employee Miss 'A' who was recently hired informs you that she often feels discriminated in the company due to the fact that she is a transgender woman. She points out that senior male employees are uncomfortable in her presence. Further, other employees want to discuss her personal life when she has no intention of doing so. She also states that she has been excluded from some departmental meetings without being given a valid reason. Due to these instances, she feels harassed and wants you to either correct the situation immediately or accept her resignation. If she resigns and the information becomes public, the image of the company will be maligned. However, you know it is difficult to bring about an immediate change in the attitude of your employees, especially senior members, as such changes require time.

In this context:

- (a) Highlight the ethical issues in this situation.  
(b) As a Managing Director, what are the options available to you?  
(c) Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons. (Answer in 250 words)

20

हाल ही सरकार ने ट्रांसजेंडर  
गोपनीयता अधिनियम को पारित किया



जो होसजेंग ने माजीविका, रोजगार,  
सुरक्षा का प्रावधान करता है।

उपरोक्त केंसट्री में एक होसजेंग  
महिला के साथ श्रेयभाव हो रहा है।

① इस स्थिति में नैतिक कृते

① होसजेंग महिला का व्यक्तिगत  
सम्मान की रक्षा करना।

② कंपनी के प्रतिष्ठा की रक्षा करना।

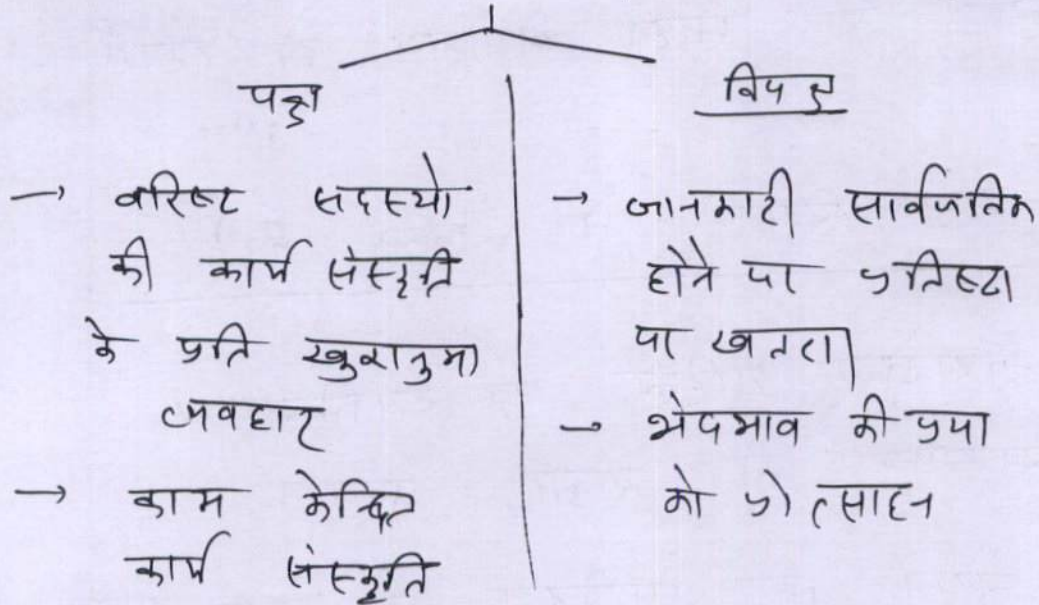
③ कंपनी कार्य संस्कृति विशेषता  
वरिष्ठ सदस्यों के रवैये में बदलाव  
के प्रयास करना।

④ सामाजिक - धार्मिक दृष्टिकोण के रूप में  
विविधता को बढ़ाना।

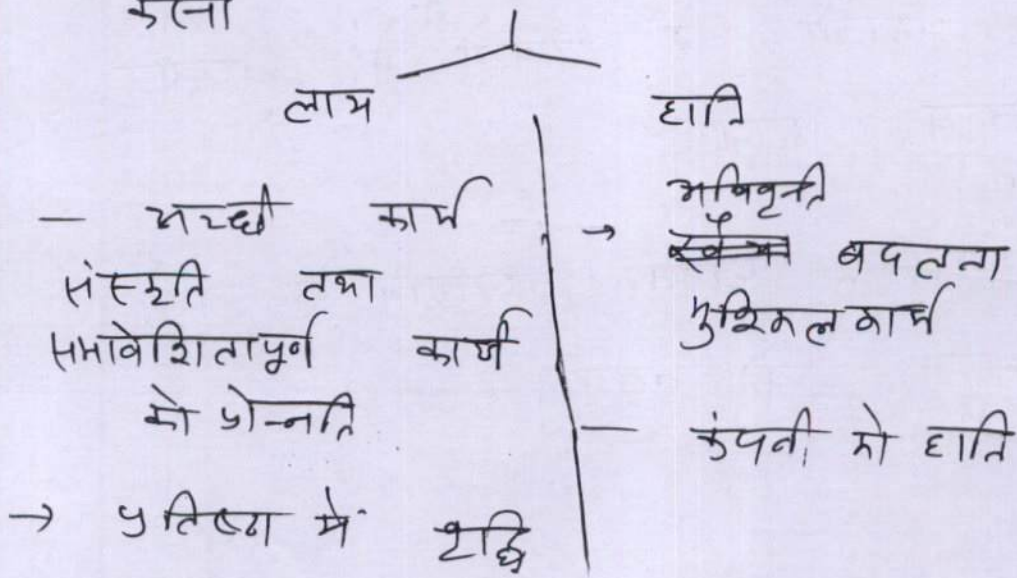


(b)(c) प्रबंध विदेशों होने के नाते  
विरूप

① महिला का रस्तीफा स्वीकार करने

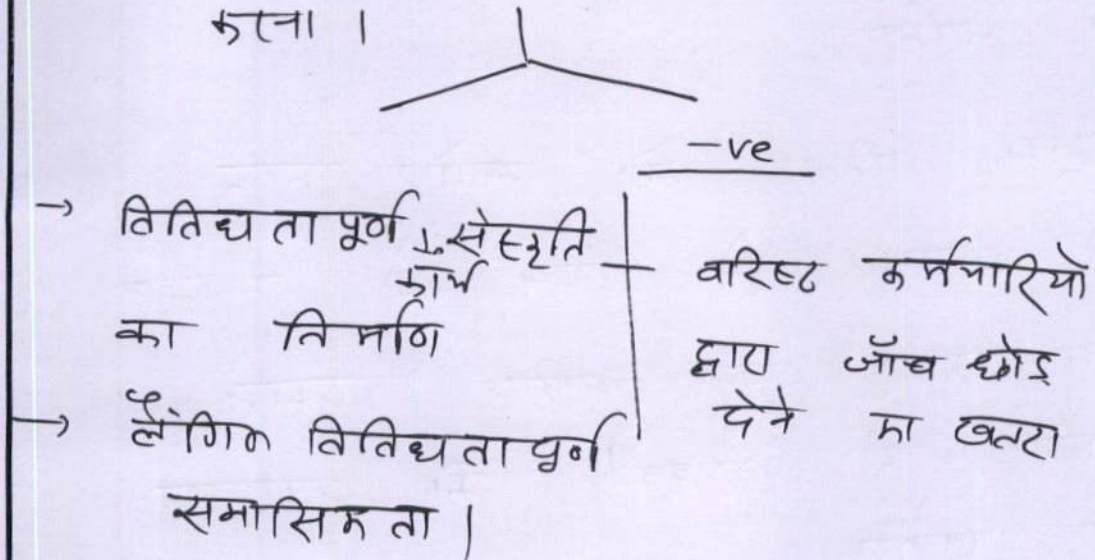


② वरिष्ठ कुल उच्च उच्चचारियों से जर्मी  
रुना





(11) कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाही तथा दिशा निर्देश जारी करना।



इस स्थिति में, मैं निम्न (3) का चयन करूंगा।

→ इसके द्वारा वरिष्ठ कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाही की जानी चाहिए, साथ ही वरिष्ठ कर्मचारियों को सम्मान की दृष्टि से देखने के लिए कायदाकारी किया जाना चाहिए।



वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय के  
साथ-साथ वैतिद्वय को सपोर्ट किया  
जाना चाहिए।

→ ट्रांस महिला को सपोर्ट करते  
हुए शासन में उच्च पदों के लिए  
उत्साह दिया जाना चाहिए जिससे  
वहियों की क्षमकता में परिवर्तन  
हो सकें।

→ भारत अच्छी कार्य संस्कृति के निर्माण  
में संबंध विदेशक होने के नाते प्रेरी  
प्राथमिकता होगी जो लजित पूर्ण  
उद्देश्यों के लिए कार्य कर सके।